DR.MALA KUMARI

ASSISTANT PROFESSOR (GUEST

TEACHER)

DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY

A.N.D COLLEGE SHAHPUR

PATORY,SAMASTIPUR

B.A –PART 2 PSYCHOLOGY (HONS)

PAPER-3 ,UNIT-8,

CHARACTERISTICS OF DREAM

LECTURE-96

स्वप्न की विशेषताएँ

(CHARACTERISTICS OF DREAM)

आधुनिक मनोवैज्ञानिकों ने स्वप्न की कुछ विशेषताओं का वर्णन किया है जिसके आधार पर उसके सार्थक स्वरूप पर अधिक प्रकाश पड़ता है | इन मनोवैज्ञानिकों के शोधो के पहले स्वप्न को निरर्थक माना जाता था |परन्तु इन लोगों ने यह साबित कर दिया है कि स्वप्न निरर्थक न होकर एक सार्थक प्रक्रिया है जिसके आधार पर हमें मानसिक रोगों के लक्षणों एवं उसके गतिकी को समझने में काफी मदद मिलती है |

फ्रायड ,एडलर ,युंग ,ब्राउन आदि मनोवैज्ञानिकों के विचारों का एक संयुक्त अध्ययन करने पर हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते है कि स्वप्न की कुछ खास

–खास विशेषताएँ है जिनसे इसके स्वरूप पर अधिक प्रकाश पड़ता है | इन विशेषताओं में निम्नांकित प्रमुख है –

(i) स्वप्न सार्थक होते है (DREAMS ARE MEANINGFUL) साधारण लोग स्वप्न को अर्थ हीन समझते है |परन्तु स्वप्न अर्थ हीन नहीं होता है |उसका विशेष अर्थ होता है मनोविश्लेशकों ने उनको उदाहरण दे कर यह साबित कर दिया है की स्वप्न का विशेष अर्थ होता है |जैसे एक बार एक छात्र ने यह स्वप्न देखा की उसकी माँ की मृत्यु हो गयी |माँ के शव को लेकर जब श्मशान घाट की ओर जा रहा था तो रास्ते में अचानक उसके पिता बेहोश हो कर गिर पड़े और उनकी भी मृत्यु हो गयी | जब छात्र के उस स्वप्न का मनोविश्लेषक द्वारा मनोविश्लेषण किया गया तो पाया गया की छात्र अपने माता-पिता दोनों से ही नफरत एवं घृणा करता था क्योकि इन दोनों ने ही मिलकर उसे अपनी महबूबा के साथ प्रेम संबंध जारी रखने में बाधा पहुंचाए थे |इस उदाहरण से स्पष्ट होता जाता है की स्वप्न निरर्थक न हो कर सार्थक होता है |

(ii) स्वप्न प्रतीकात्मक होते है (DREAMS ARE SYMBOLIC)-स्वप्न में हम जो कुछ भी देखते है ,वह सचमुच में अचेतन की दमित इच्छाओं का एक प्रतिक मात्र ही होता है |चूँकि इन प्रतीकों का अर्थ अलग-अलग व्यक्तियों के लिए अलग-अलग होता है ,इस लिए इसका अर्थ समझते ही स्वप्नं का अर्थ स्पष्ट हो जाता है |इस तरह के प्रतिक को व्यक्तिक प्रतिक कहा जाता है |ऐसे प्रतीकों का संबंध व्यक्ति की घटनाओं एवं साह्चर्यों से अधिक होता है |इसके अलावा कुछ प्रतिक सार्वजनिक होते है जिसका अर्थ सभी व्यक्तियों के लिए करीब-करीब एक समान होता है |

जैसे फ्रायड के अनुसार बच्चों ,भाइयों एवं बहनों के प्रतिक पशु या कीड़े होते है |इसी तरह से केला ,लाठी,छतरी तथा अन्य सभी लम्बे आकार की वस्तुएं पुरुष जैनेंद्रिये के प्रतिक होते है तथा गुफा,गड्ढा आदि स्त्री जैनेंद्रियें के उदाहरण है |इस तरह से फ्रायड ने एक लम्बी सूची दी है जिससे यह पता चलता है की स्वप्न की कौन-कौन सी बाते किन अचेतन इच्छाओं के प्रतिक है |प्रतीकों के माध्यम से स्वप्नों का अर्थ समझना काफी आसान हो जाता है |

(iii) स्वप्न विभ्रात्मक प्रवृति के होते है (DREAMS ARE HALLUCINATORY IN NATURE)-स्वप्न में व्यक्ति जो कुछ भी देखता है या अनुभव करता है ,वह एक प्रकार का विभ्रम ही होता है क्योकि नींद टूटने के बाद स्वप्न स्वप्नावस्था की सारी बाते एवं दृश्य गायब हो जाते है |सचमुच में स्वप्न के समय घटनाएं जितनी सही लगती है नींद समाप्त होने पर वे उतनी ही मिथ्या महसूस होती है |इससे स्वप्न के विभ्रात्मक स्वरूप स्पष्ट हो जाता है |

(iv) स्वप्न आत्मगत एवं आत्मकेंद्रित होते है (DREAMS ARE SUBJCETIVE AND EGO-CENTERIC)-स्वप्न आत्मगत एवं आत्मकेंद्रित दोनों ही होते है |स्वप्न को आत्मगत इसलिए कहा जाता है क्योकि इसके विषय एवं घटनाएं व्यक्ति के निजी जीवन के अनुभवों से संबंधित होते है जिसका अनुभव मात्र उस व्यक्ति को ही होता है दुसरे को नहीं |स्वप्न आत्मकेंद्रित भी होते है क्योकि स्वप्न का केंद्र व्यक्ति स्वयं ही होता है |स्वप्न की यथार्थता इस केंद्र बिंदु के अर्थहीनता के आलोक में समाप्त हो जाती है |

(v) स्वप्न से भविष्य का भी संकेत मिलता है (DREAMS ALSO HINT TOWARD FUTURE)-स्वप्न की इस विशेषता पर युंग महोदय ने अधिक बल डाला है |युंग का कहना है की स्वप्न में व्यक्ति को भविष्य में होने वाली घटनाओं का भी संकेत मिलता है न की सिर्फ इसके द्वारा बीती हुई जिन्दगी के दमित इच्छाओं की ही अभिव्यक्ति होती है |युंग ने कई ठोस उदाहरण देकर इस विशेषता की यथार्थता को दिखला दिया है |

(vi) स्वप्न में अचेतन की दमित इच्छाओं की अभिव्यक्ति होती है (DREAMS EXPRESS THE)

फ्रायड ने स्वप्न के इस विशेषता पर सर्वाधिक बल डाला है | उन्होंने कहा कि स्वप्न में व्यक्ति अचेतन की दमित इच्छाओं की पूर्ति करता है |अतः स्वप्न के घटनाओं एवं विषयों के आधार पर हमें स्पष्टतह अचेतन के स्वरूप का पता चल जाता है |शायद यही कारण है की स्वप्न को फ्रायड ने “अचेतन की ओर जाने वाली एक राजकीय मार्ग” कहा है चूँकि व्यक्ति स्वप्न में अपनी उन इच्छाओ की पूर्ति करने का प्रयास करता है जिसे वह साधारण जिन्दगी में सामाजिक प्रतिबंधों के कारण नहीं कर पाया था ,इसलिए फ्रायड ने कहा है कि ‘स्वप्न इच्छापूर्ति का प्रयास है’|

इन विशेषताओं से यह स्पष्ट हो जाता है की स्वप्न एक ऐसी मानसिक घटना या प्रक्रिया है जिसका मनोवैज्ञानिक महत्व काफी अत्यधिक है क्योंकि स्वप्न हमें व्यक्ति के बीती जिन्दगी तथा भविष्य की घटनाओं दोनों के बारे में एक अर्थपूर्ण ज्ञान प्रदान करता है |